बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि २ अप्रील, १९५६ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

RECOGNITION OF MEDICAL GRADUATES.

340. Shri SHITAL PRASAD : Will the Health Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Medical graduates who passed in 1952 from the Darbhanga Medical College were granted diplomas from Bihar University and have not been recognised by the Indian Medical Council ;

(2) whether it is a fact that the Medical graduates who passed from the Darbhanga Medical College after 1952 have been recognised by the Indian Medical Council ;

(3) if the answers to the above clauses be in the affirmative, actions taken by the State Government to remove the grievances of these Medical graduates who passed in the year 1952 from Darbhanga Medical College ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है। उक्त डिप्लोमा इंडियन मेडिकल कौंसिल ने अब मंजूर कर लिया है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) प्रश्न नहीं उठता।

चन्नी ग्राम में काला ज्वर सेन्टर।

३७६। श्री बोकाय मंडल—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया जिलान्तर्गत अमौर थाना के चन्नी ग्राम में एक काला ज्वर सेन्टर चलता था ;

पटना आयुर्वेदिक कॉलेज के लिए रुपये की मांग।

१३७५। श्री सुखलाल सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज, पटना को सरकार हर साल कितने रुपये दवा वितरण के लिए देती है ;

(२) क्या यह बात सही है कि जो रकम सरकार हर साल दवा वितरण के लिए देती है वह काफी नहीं है ;

(३) क्या सरकार के पास आयुर्वेदिक कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की एक चिट्ठी आई है जिसमें उसने दवा की रकम में छः हजार रुपये अधिक की मांग की है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) निम्नलिखित अनुदान दवा वितरण के लिए दिए गए हैं।

(१) १९५२–५३ में ५,१०० ।
(२) १९५३–५४ में ४,१०० ।
(३) १९५४–५५ में ६,४६९ ।
(४) १९५५–५६ में ५,१०० ।

(२) इस तरह का प्रश्न सरकार के सामने नहीं लाया गया है परन्तु सरकार स्वयं इस बात पर विचार कर रही है ।

(३) उत्तर नकारात्मक है ।

भेलवा बाजार में अस्पताल।

१३७७। श्री राम अयोध्या प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वितीय पंचवर्षीय योजना में इस राज्य में ५४ ग्रामीण औषधालयों को प्रांतीयकरण करने और पिछड़े इलाकों में ४० नये ग्राम औषधालय खोलने का विचार रखती है ;

(२) यदि हां, तो सरकार चम्पारण जिला के किन-किन पिछड़े इलाकों में नये ग्राम औषधालय खोलने तथा किन-किन ग्राम औषधालयों को प्रांतीयकरण करने जा रही है ;

(३) क्या सरकार चम्पारण जिला के घोड़ासहन थाना के ग्राम औषधालय को प्रांतीयकरण करने का विचार रखती है ;

(४) क्या सरकार घोड़ासहन थाने के भेलवा बाजार पर एक नया ग्राम औषधालय खोलने का विचार रखती है ;

(५) क्या यह बात सही है कि भेलवा में गांधी विद्यालय और मिडल बुनियादी बेसिक स्कूल और उस विशाल क्षेत्र में एक भी औषधालय नहीं रहने के कारण अध्यापकों, छात्रों एवं अन्य जनता को औषधालय के अभाव में बड़ी कठिनाई होती है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) २५० औषधालयों का प्रान्तीयकरण होगा तथा ८० नये औषधालय खोले जायंगे ।

(२) इसका अभी निश्चय नहीं हुआ है ।

(३) अभी बताना असंभव है ।

(४) तथा (५) नकारात्मक है । क्योंकि भेलवा बाजार से घोड़ासहन औषधालय केवल दो मील की दूरी पर है ।

श्री राम अयोध्या प्रसाद—मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार ने किस एजेंसी के द्वारा इसकी जांच करायी है कि भेलवा से घोड़ासहन दो मील की दूरी पर है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—सरकारी एजेंसी के द्वारा सरकार ने पता लगाया है ।

श्री राम अयोध्या प्रसाद—क्या सरकार को यह मालूम है कि भेलवा बाजार से घोड़ासहन ५ मील है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं फिर से इसकी जांच कराऊँगा । सिविल सर्जन महोदय का पत्र २२ फरवरी १९५६ को आया है और उसमें उन्होंने कहा है कि भेलवा बाजार से घोड़ासहन की दूरी २ मील है ।

श्री राम अयोध्या प्रसाद—क्या यह बात सरकार को मालूम है कि सिविल सर्जन महोदय कभी भी घोड़ासहन गांव देखने नहीं गये हैं ?

अध्यक्ष—माननीय सदस्य जब जिद् करते हैं तब मंत्री महोदय को फिर से इसकी जांच करनी चाहिये ।

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं इसकी जांच करूँगा ।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, जिस प्रश्न का उत्तर सदन में नहीं मिल पाता है और उसका उत्तर तैयार रहता है तो नियम यह है कि उसे टेबुल पर रख दिया जाय । इसलिये इस नियम को लागू करना चाहिये ।

अध्यक्ष—एक बार इसके सम्बन्ध में मैंने कहा था । माननीय मंत्री इसके लिये प्रयत्न करेंगे ।

श्री रामचरित्र सिंह—नियम के पालन के लिये जो कार्रवाई होनी चाहिये वह सरकार के विचाराधीन है ।